www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 244 | जौनपुर शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों के लिए मतदान जारी

कोलकता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के महत्वपूर्ण दो चरणों में से पहले चरण के तहत आज गुरुवार सुबह 7 बजे से 16 जिलों में फैली 152 विधानसभा सीटों पर मतदान शुरू हो गया है। मतदाताओं में इस बार चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। कई विधानसभा क्षेत्रों के कुछ मतदान केंद्रों के बाहर सुबह 7 बजे आधिकारिक रूप से मतदान शुरू होने से पहले ही लंबी कतारें लग गई थीं। इस बार मतदाताओं को दो–स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। पहला सत्यापन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा मतदान केंद्र परिसर में प्रवेश से पहले किया जा रहा है, और दूसरा संबंधित बूथ–स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) द्वारा मतदान कक्ष में प्रवेश से पहले। रिपोर्ट लिखे जाने तक मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। हालांकि, मतदान शुरू होने के समय कुछ मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में खराबी की खबरें भी सामने आईं। पश्चिम बर्दवान जिले के औद्योगिक नगर दुर्गापुर के एक मतदान केंद्र पर ईवीएम की बैटरी निष्क्रिय होने के कारण अनिवार्य मॉक पोलिंग समय पर शुरू नहीं हो सकी। इसी तरह, उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी और अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के बहारामपुर के कुछ मतदान केंद्रों पर भी मॉक पोलिंग नहीं हो पाई। आज गुरुवार को पहले चरण में जिन 16 जिलों में मतदान हो रहा है,।

भारत का रक्षा उत्पादन 20 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक, 100 से अधिक देशों को किया निर्यात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत का रक्षा उत्पादन 20 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। इसके साथ ही आज भारत से 100 से अधिक देशों को लगभग 4 अरब डॉलर के रक्षा उत्पाद निर्यात किए जा रहा हैं। भारत ने मिस्र में आयोजित एक बैठक में यह जानकारी दी। यहां भारत और मिस्र दोनों देशों ने रक्षा उद्योग में संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन के अवसरों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। दरअसल भारत और मिस्र के बीच 11वीं, संयुक्त रक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यह बैठक मिस्र के काहिरा शहर में आयोजित की गई। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और व्यापक बनाने पर गहन विचार–विमर्श किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद ने किया। उनके साथ रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। वहीं, मिस्र की ओर से रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के उच्च अधिकारियों ने भाग लिया।

विशेष टीम गठित कर हो जमीनी विवादों का निस्तारण : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जमीन से जुड़े विवादों का निस्तारण विशेष टीम गठित करके किया जाए। जमीन का मालिकाना हक उसके वास्तविक स्वामी के पास ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि दबंगों ने कब्जा किया है तो जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ दोषियों को कानूनी सबक सिखाया जाए। किसी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले बख्शे न जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी

गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में भूमि विवाद के मामलों में उन्होंने अफसरों से कहा कि विशेष टीम लगाकर ऐसे मामलों को शीघ्रता से निस्तारित किया जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

बंगाल में `मां–माटी–मानुष' का अपमान हुआ, जनता वोट से देगी जवाब – नितिन नवीन

नैहाटी, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की 152 विधानसभा सीटों पर गुरुवार को पहले चरण के तहत वोटिंग होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दावा किया कि गुरुवार से ममता की आराजकता वाली सरकार का समापन शुरू होगा। नैहाटी में नितिन नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अपनी पहली मुक्ति के लिए वोट करेगी। वे टीएमसी सरकार को हटाने के लिए वोट करेंगे। जिस प्रकार से टीएमसी के गुंडों ने हफ्ता वसूली और रंगदारी की और लोगों को प्रताड़ित किया है, जिस श्मां, माटी, मानुषश के नारे के साथ टीएमसी सरकार सत्ता में आई थी, उन्होंने उसका भी अपमान किया है। इसलिए अब इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। पश्चिम बंगाल की जनता इसकी शुरुआत गुरुवार को होने वाले पहले चरण की वोटिंग से करेगी।उन्होंने कहा कि टीएमसी के लोग अराजकतावादी हैं। ये संविधान और संविधान में निर्धारित प्रक्रियाओं में विश्वास नहीं रखते। ये अपनी सत्ता और अपने शासन में विश्वास रखते हैं। ये संविधान के कानूनों को नहीं

मानते। और यही कारण है कि इन्हें हर तरफ से फटकार पड़ रही है। पीएम मोदी को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर निंदा करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि मेरा मानना छहै कि जब भी कांग्रेस ने इतनी गिरी हुई बातें की हैं तो जनता ने उसे जवाब दिया है, और इस बार भी देगी।नितिन नवीन ने कहा कि जब–जब कांग्रेस ने मोदी का अपमान किया, तब–तब देश की जनता मोदी को जीत का हार पहनाती है। राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जिन शब्दों का प्रयोग किया है।

मध्य प्रदेश सरकार ने गेहूं खरीद का लक्ष्य बढ़ाने की मांग की, केंद्र को भेजा प्रस्ताव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश सरकार ने रबी विपणन सत्र 2026–27 के तहत गेहूं खरीद के लक्ष्य को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। राज्य सरकार का कहना है कि इस बार गेहूं की पैदावार अच्छी होने के कारण खरीद मौजूदा लक्ष्य 7.8 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक होने की संभावना है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार इस मुद्दे

पर केंद्र के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने लिखा कि बेहतर उत्पादन और बढ़ती खरीद को देखते हुए लक्ष्य बढ़ाने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण कुछ दिक्कतें आई थीं लेकिन सरकार ने समय रहते पर्याप्त संख्या में बोरों की व्यवस्था कर ली। इनमें नए जूट बैग, पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) बैग और रिसाइकिल किए गए गननी बैग शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल किसी भी तरह की कमी नहीं है और खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है। राज्य में गेहूं खरीद की शुरुआत 9 अप्रैल से कुछ इलाकों में हुई थी, जिसे 15 अप्रैल से पूरे प्रदेश में लागू किया गया। इसके बाद खरीद केंद्रों पर तेजी आई है। इस साल किसानों को प्रति क्विंटल 2,625 रुपए का भुगतान किया जा रहा है, जिसमें 2,585 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और 40 रुपए प्रति क्विंटल का राज्य सरकार का बोनस शामिल है।

राजस्थान को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में उभरना चाहिए – ओम बिरला

जयपुर, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि राजस्थान में वैश्विक स्तर पर शिक्षा का अग्रणी केंद्र बनने की क्षमता है, जो दुनिया भर के छात्रों को आकर्षित कर सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सपना सामूहिक प्रयासों, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के माध्यम से साकार किया जा सकता है। बिरला ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ बुधवार को जयश्री पेरीवाल ग्लोबल स्कूल के नए परिसर का उद्घाटन किया।दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने आधुनिक परिसर का दौरा किया और अत्याधुनिक कक्षाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। सभा को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत का संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों के लिए मार्गदर्शक है और लोकतंत्र को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया।उन्होंने

नागरिकों से तेजी से बदलते भारत के भविष्य को आकार देने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। वासुदेव देवनानी ने इस अवसर को महज एक भवन के उद्घाटन से कहीं अधिक बताया और इसे भारत के उज्ज्वल भविष्य के द्वार की शुरुआत बताया।शिक्षा के व्यापक अर्थ पर जोर देते हुए देवनानी ने कहा कि यह केवल साक्षरता तक सीमित नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली शक्ति है जो मानवीय क्षमता को जागृत करती है और व्यक्तियों को साधारण से असाधारण बनाती है। भारत की समृद्ध शैक्षणिक विरासत का जिक्र करते हुए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष ने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख किया और कहा कि भारत ऐतिहासिक रूप से ज्ञान का वैश्विक केंद्र रहा है।उन्होंने कहा कि सदियों से चुनौतियों के बावजूद, देश की ज्ञान परंपरा अटूट बनी हुई है।

पीएम मोदी का ममता सरकार पर तंज 'झालमुड़ी मैंने खाई, असर टीएमसी को हुआ'

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को एक ओर जहां पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान जारी है, वहीं दूसरे चरण की 142 सीटों के लिए चुनाव प्रचार भी पूरी तेजी पर है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृष्णानगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा, ष्झालमुड़ी मैंने खाई है लेकिन झाल (मिर्ची) टीएमसी को लगी है।ष उन्होंने कहा कि 4 मई को बंगाल में भाजपा–एनडीए की जीत का जश्न मनाया जाएगा, मिठाई बांटी जाएगी और झालमुड़ी भी बांटी जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान हो रहा है और तमिलनाडु में भी मतदान जारी है। उन्होंने सभी मतदाताओं को शुभकामनाएं देते

हुए अपील की कि इस बार मतदान के नए रिकॉर्ड बनें और लोकतंत्र के इस पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाए। उन्होंने दावा किया कि पिछले 50 वर्षों में यह पहला चुनाव है, जिसमें हिंसा सबसे कम हुई है। उन्होंने कहा कि पहले हर हफ्ते हिंसा की घटनाएं होती थीं और उन्हें आत्महत्या का नाम दे दिया जाता था। उन्होंने चुनाव आयोग की सराहना करते हुए कहा कि आयोग ने एक बार फिर बंगाल की धरती पर लोकतंत्र की प्रतिष्ठा स्थापित की है और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया है। साथ ही, उन्होंने सरकारी कर्मचारियों की भी तारीफ की, जो इस बार जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब तक की जानकारी के अनुसार मतदान पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। कृष्णानगर में भय पर भरोसे की जीत का माहौल दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भय खत्म हो रहा है और भरोसा आगे बढ़ रहा है। जिन लोगों की आवाज सालों से दबाई गई थी, वे अब खुलकर बोल रहे हैं। गांव–गांव, गली–गली, महिला–पुरुष, युवा और बुजुर्ग सभी बदलाव की बात कर रहे हैं।

भाजपा तमिलनाडु की संस्कृति, भाषा और परंपराओं को खत्म कर देगी – राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा के सभी 234 सदस्यों के चुनाव के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है। इस बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज्य के लोगों से कांग्रेस–डीएमके गठबंधन को समर्थन देने की अपील की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि तमिलनाडु में यह चुनाव कांग्रेस पार्टी–डीएमके गठबंधन और भाजपा–एआईएडीएमके गठबंधन के बीच विचारधारा की

लड़ाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा एआईएडीएमके को कंट्रोल करती है और तमिलनाडु में किसी भी तरह प्रवेश करने की कोशिश में जुटी है।उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वो तमिलनाडु की संस्कृति, भाषा और परंपराओं को खत्म कर देंगे। एआईएडीएमके नेतृत्व अपने भ्रष्टाचार के कारण भाजपा के दबाव में है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में हैं और एआईएडीएमके नेतृत्व प्रधानमंत्री के दबाव में है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा दिल्ली से तमिलनाडु को चलाना चाहती है। भाजपा तमिलनाडु में कठपुतली मुख्यमंत्री और दूरस्थ नियंत्रण वाली सरकार चाहती है। इंडिया गठबंधन ऐसा कभी नहीं होने देगा। तमिलनाडु अपनी पहचान और गरिमा की रक्षा के लिए मतदान करेगा। लेकिन, हम चाहते हैं कि तमिलनाडु के लोग ही तमिलनाडु पर शासन करें। हम चाहते हैं कि तमिलनाडु में वहीं का मुख्यमंत्री हो, जो वहां के लिए और वहां के लोगों के लिए काम करे।उन्होंने कहा कि हम तमिलनाडु में सामाजिक न्याय के पक्ष में हैं ।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 24 घंटे में वापस लिया कर्मचारियों के राजनीतिक गतिविधियों पर रोक का आदेश

रायपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रखने संबंधी अपना आदेश महज 24 घंटे के भीतर वापस ले लिया। इस फैसले ने राज्य में सियासी हलचल तेज कर दी है। बुधवार देर रात जारी निर्देश में कहा गया था कि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी राजनीतिक दल में पद नहीं रखेगा और न ही राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेगा।

उल्लंघन करने पर सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, इस आदेश का तुरंत विरोध शुरू हो गया। कांग्रेस पार्टी ने इसके समय और मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे नियम पहले से ही पूरे देश में लागू हैं, फिर नया सर्कुलर जारी करने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस ने यह भी पूछा कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठनों के कार्यक्रमों में भाग लेना भी इन नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। इस सवाल ने विवाद को और बढ़ा दिया और सरकार पर स्पष्टीकरण का दबाव बढ़ा। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों के तहत सरकारी कर्मचारियों को अपने कार्यों में निष्पक्षता और ईमानदारी बनाए रखना अनिवार्य है। इन नियमों में कर्मचारियों को राजनीतिक दलों की सक्रिय सदस्यता लेने और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने से स्पष्ट रूप से रोका गया है। सरकार का कहना है कि वापस लिया गया सर्कुलर इन्हीं प्रावधानों की पुनरावृत्ति मात्र था, लेकिन विपक्ष ने इसे राजनीतिक दृष्टि से प्रेरित कदम बताया। आदेश वापस लेकर साय सरकार ने फिलहाल विवाद को शांत करने की कोशिश की है।

अब एक पास पर आठ की जगह सिर्फ पांच श्रद्धालु ही कर सकेंगे रामलला का कर सकेंगे दर्शन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम मंदिर पर बढ़ते श्रद्धालुओं तथा भारी भीड़ को देखते हुए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बीच बीच मे कोई ना कोई कदम उठाता रहता है।इसी कड़ी में शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर परिसर में दर्शन व्यवस्था को और सुव्यवस्थित बनाने के लिए अहम बदलाव किए हैं। जिसमें ट्रस्ट द्वारा यह बड़ा बदलाव किया गया है कि अब एक पास पर अधिकतम 5 श्रद्धालु ही दर्शन कर सकेंगे।जबकि इसके पहले एक पास पर आठ श्रद्धालु राम मंदिर में जाकर दर्शन पूजन कर सकते थे।ट्रस्ट का कहना है कि इससे भीड़ प्रबंधन बेहतर होगा और सभी को समान अवसर मिल सकेगा।हालांकि, बढ़ती भीड़ के कारण 8 मई तक सुगम और सामान्य दोनों ही दर्शन के सभी स्लॉट पहले से ही फुल हो चुके हैं।विशिष्ट दर्शन पास ट्रस्ट और प्रशासनिक अधिकारियों के कोटे से जारी होते हैं और यह सुविधा वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है।ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को भारतीय पारंपरिक परिधान में दर्शन करने की सलाह भी दी है।वेबसाइट के अनुसार पुरुष धोती–कुर्ता या कुर्ता–पायजामा, जबकि महिलाएं साड़ी या सलवार–कुर्ती पहनकर दर्शन कर सकती हैं। हालांकि, इसे अनिवार्य नहीं किया गया है।परकोटा के छह नए मंदिरों और सप्तर्षि मंदिर के निर्माण व ध्वजारोहण के बाद अब दर्शन प्रणाली को नया स्वरूप दिया गया है। वहीं ट्रस्ट ने लोगों से भारतीय परिधान में दर्शन करने की अपील की है।अब श्रद्धालुओं के लिए दो प्रकार के पास जारी किए जा रहे हैं।इस समय सुगम दर्शन और सामान्य दर्शन होगे। सुगम दर्शन पास के जरिए श्रद्धालु रामलला, राम परिवार और परकोटा के छह मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे। वहीं सामान्य दर्शन पास में रामलला, राम परिवार, शेषावतार मंदिर, सप्तर्षि मंदिर और कुबेर टीले के दर्शन शामिल किए गए हैं।

संपादकीय

ईरान के इरादे अलग

संभवतरू पाकिस्तान ने इस सोच के साथ मध्यस्थ बनना स्वीकार किया था कि अमेरिका की शर्तें ही वार्ता का आधार बनेंगी, जिन पर ले–देकर सहमति बन जाएगी। लेकिन ईरान के इरादे अलग हैं। वह आर–पार की लड़ाई के मूड में है। पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म कराने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता किसी नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखती। अमेरिका की शर्तें उसने ईरान को बताईं, मगर ईरान ने उसे ठुकराते हुए अपनी जवाबी मांग पाकिस्तान को बता दी। पाकिस्तान उस पर अमेरिका से बातचीत करने की हैसियत में है या नहीं, यह नहीं मालूम। मगर इस बीच उसने अपने यहां तीन अन्य देशों (सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये) के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की। समझा जाता है कि उसके नतीजों को लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार बीजिंग गए। लेकिन वहां जारी साझा बयान से नहीं लगता कि चीन ने उसमें दिलचस्पी दिखाई है। साझा बयान में सामान्य भाषा का इस्तेमाल किया गया है। समझा जाता है कि पाकिस्तान ने चीन से आगे ईरान पर हमला ना होने की गारंटी करने की जिम्मेदारी लेने का अनुरोध किया। मगर फिलहाल चीन ने इस ठुकरा दिया है। दरअसल, पश्चिम एशिया में अमेरिकी अड्डे स्थायी रूप से हटाने, नुकसान का मुआवजा देने, और होरमुज जलडमरूमध्य पर ईरानी संप्रभुता को मान्यता देने की ईरान की मांगों पर कोई रजामंदी जब तक नहीं होती, आगे हमला ना होने की गारंटी कोई नहीं कर सकता। इन मांगों पर बातचीत से सहमति बनेगी, इसकी संभावना न्यूनतम है। अतरू लड़ाई तुरंत खत्म होने की कोई सूरत नहीं है। बेशक, अमेरिका में बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर डॉनल्ड ट्रंप युद्ध से निकलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं, मगर लड़ाई में इजराइल भी शामिल है। ईरान की जीत की धारणा को पुष्ट करते हुए वह युद्ध खत्म करने को शायद ही तैयार होगा। दरअसल, ऐसा हुआ तो इजराइल का अस्तित्व खतरे में पड़ता दिखेगा, जिसे अभी चार तरफ से (ईरान, हिज्बुल्लाह, हूती और इराक स्थित पीएमएफ) हमलों को झेलना पड़ रहा है। इसलिए, मध्यस्थता प्रयासों के फिलहाल सफल होने की संभावना कम है। चीन की कूटनीतिक प्रतिक्रिया इसी आकलन का संकेत देती है। संभवतरू पाकिस्तान ने इस सोच के साथ मध्यस्थ बनना स्वीकार किया कि अमेरिका की शर्तें ही वार्ता का आधार बनेंगी, जिन पर ले–देकर सहमति बन जाएगी। लेकिन ईरान के इरादे अलग हैं। वह आर–पार की लड़ाई के मूड में है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो–दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर–पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते–जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार–बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज़्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है। साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की। ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है। राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड–डे मील, मनरेगा । जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कार्रवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है।

अस्थिर विश्व में भारत–अर्थनीति, कूटनीति और छवि का पुनर्पाठ

अरुण

भारत राजनीति इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इजरायल के प्रति रुख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध–समर्थन के बजाय मानवीय और नैतिक प्रश्न अधिक प्रभावी हो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत की पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से श्संतुलनश पर आधारित कही जाती है, व्यवहार में कई बार अस्पष्ट और अवसरवादी प्रतीत होती है। वैश्विक परिदृश्य में इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी के अंत में भड़के युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गहरे अस्थिरता के दौर में धकेल दिया, जिससे भारत भी अप्रभावित नहीं रहा। यद्यपि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार को सहयोग का आश्वासन दिया और ईरान से संवाद स्थापित कर होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही सुनिश्चित करने में आंशिक सफलता मिली, जिससे ऊर्जा संकट को काफी हद तक टाला जा सका, फिर भी महंगाई, बेरोजगारी और शेयर बाजार में आई तीव्र गिरावट ने आम नागरिकों को आर्थिक रूप से प्रभावित किया, जिसकी भरपाई में समय लगेगा।इसी कालखंड में कुछ वैश्विक घटनाएं भारत के लिए मिश्रित संकेत लेकर आईं, जो यह दर्शाती हैं कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति, आर्थिक सुदृढ़ता और वैश्विक भूमिकाकृतीनों पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है। राजनीतिक विश्लेषण पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का आरंभ एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस संदर्भ में विदेश मंत्री की तात्कालिक प्रतिक्रिया बौद्धिक वर्ग में व्यापक स्वीकृति नहीं पा सकी। विदेश मंत्री जैसे राजनीतिक पद से स्वाभाविक रूप से अधिक संवेदनशील और व्यापक दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। ऐसे में उनका हालिया वक्तव्य अधिक उपयुक्त किसी पेशेवर राजनयिक के मुख से प्रतीत होता हैकृशायद यही कारण है कि पूर्व विदेश सचिव की उनकी प्रशासनिक दृष्टि अब भी उनके कथनों में झलकती है, जबकि मंत्री पद उससे कहीं अधिक राजनीतिक सूझबूझ की मांग करता है। यह स्थिति कहीं न कहीं भारत की कूटनीतिक सीमाओं को भी उजागर करती है, क्योंकि प्रधानमंत्री की विभिन्न वैश्विक नेताओं से निकटता के बावजूद भारत इस शांति पहल में निर्णायक भूमिका हेतु आवश्यक विश्वास और प्रभाव अर्जित नहीं कर सका।पिछले एक दशक में जब–जब विश्व में संघर्ष और अशांति बढ़ी, प्रधानमंत्री द्वारा श्यह युद्ध का युग नहीं हैश की बात तो बार–बार कही गई, किंतु उसके अनुरूप कोई ठोस शांति–योजना सामने नहीं आई। संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाकर भारत ने तटस्थता का संकेत देने का प्रयास किया, परंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक हिस्से ने इसे निष्पक्षता के बजाय अनिर्णय के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, जहां नेहरू युग में भारत कोरियाई और वियतनामी संकटों में मध्यस्थता के लिए जाना जाता था, वहीं आज उसकी वह भूमिका अपेक्षाकृत सीमित हो गई है।टाइम पत्रिका की 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में रणबीर कपूर (अभिनेता), सुंदर पिचाई (सीईओ गूगल) और विकास खन्ना (पाककला) जैसे भारतीयों का शामिल होना निस्संदेह गौरव का विषय हैय किंतु पांच बार इस सूची में स्थान पा चुके प्रधानमंत्री मोदी का इस बार अनुपस्थित रहना विशेष रूप से तब ध्यान आकर्षित करता है, जब नेपाल और बांग्लादेश के अपेक्षाकृत नए नेतृत्व को इसमें स्थान मिला है। यह स्थिति भारत की उस उभरती वैश्विक छवि पर स्वाभाविक प्रश्न उठाती है, जिसे घरेलू विमर्श में बार–बार रेखांकित किया जाता रहा है, और अंतरराष्ट्रीय मान्यता व घरेलू दावों के बीच उभरती दूरी की ओर संकेत करती है।इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान चौथे से छठे पर खिसकना ध्यान आकर्षित करता है। इस उतार–चढ़ाव को समझने के लिए दो प्रमुख कारककृ जीडीपी के आधार वर्ष में परिवर्तन और रुपये पर बढ़ता दबावकृमहत्वपूर्ण हैं। जीडीपी का आधार वर्ष 2011–12 से बदलकर 2022–23 करना भले ही एक तकनीकी सुधार हो, किंतु इससे अर्थव्यवस्था का आकार अपेक्षाकृत छोटा दिखाई देने लगा, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक स्थिति की धारणा प्रभावित हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुधार की पृष्ठभूमि और पूर्व में आंकड़ों की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने सांख्यिकीय साख पर भी अनावश्यक प्रश्नचिह्न खड़े किए। राजनीति दूसरी ओर, उच्च तेल कीमतों, डॉलर की मजबूती और भू–राजनीतिक तनावों से रुपये पर बने दबाव ने डॉलर में मापी जाने वाली जीडीपी को सीमित किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गिरावट का आभास हुआ, जबकि

घरेलू वृद्धि सुदृढ़ बनी रही। यह स्थिति मुख्यतरू विनिमय दर और सांख्यिकीय कारणों का परिणाम है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या भारतीय रिजर्व बैंक को अधिक सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए था। यद्यपि उसने समय–समय पर बाजार में सीमित हस्तक्षेप कर अल्पकालिक दबाव को कुछ हद तक नियंत्रित किया, किंतु यह हस्तक्षेप रुपये की निरंतर गिरावट को रोक कर उसे अपेक्षित स्थिरता प्रदान करने में पूर्णत : सफल नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, नीति का प्रभाव संतुलनकारी तो रहा, पर निर्णायक नहीं बन सका। इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इजरायल के प्रति रुख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध–समर्थन के बजाय मानवीय और नैतिक प्रश्न अधिक प्रभावी हो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत की पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से श्संतुलनश पर आधारित कही जाती है, व्यवहार में कई बार अस्पष्ट और अवसरवादी प्रतीत होती है। एक ओर इजरायल के साथ बढ़ता रणनीतिक सहयोग है, तो दूसरी ओर अरब देशों के साथ ऊर्जा और प्रवासी हितों की अनिवार्यताकृपरंतु इनके बीच अपेक्षित नैतिक स्पष्टता का अभाव दिखता है। भारत राजनीति घरेलू स्तर पर उभरने वाली सांप्रदायिक घटनाएं मुस्लिम जगत में भारत की छवि को प्रभावित करती हैं।

मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी होती रही

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार, 22 मार्च को श्इंडियन एक्सप्रेसश्य में अपने साप्ताहिक कॉलम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में कटने वाले नामों के आंकड़े दिए, उस पर आधारित एक निष्कर्ष निकाला और एक दिलचस्प सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि लाखों वयस्क लोग, औसतन 10 फीसदी, मतदाता सूची से गायब हैं। इसके बाद उन्होंने सवाल उठाया, श्क्या गायब लोग वयस्क हैं, हां। क्या वे लोग नागरिक हैं, हां, जब तक कि इसके उलट कोई बात प्रमाणित नहीं होती है, फिर वे क्यों गायब हैंश? बहुत दिलचस्प है यह सवाल। वे कह रहे हैं कि हर राज्य की वयस्क आबादी में से औसतन 10 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं शामिल किए जा रहे हैं और चूंकि उनको विदेशी या घुसपैठिया भी नहीं बताया जा रहा है फिर उनके नाम क्यों काटे जा रहे हैं? उनके लेख के साथ आंकड़ों की टेबल है, जिसमें बताया गया है कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची के मुकाबले एसआईआर के बाद की मतदाता सूची में बिहार में छह फीसदी, छत्तीसगढ़ में 12 फीसदी, केरल में साढ़े तीन फीसदी, मध्य प्रदेश में छह फीसदी, राजस्थान में छह फीसदी, तमिलनाडु में साढ़े 12 फीसदी नाम कटे हैं। उन्होंने बताया है कि बिहार में पहले कुल वयस्क आबादी में से 96.7 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में थे, जबकि एसआईआर के बाद आई सूची में 90.7 फीसदी लोगों के नाम हैं। यानी वयस्क आबादी में से 9.3 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। उन्होंने सात राज्यों के आंकड़े दिए हैं। सबसे दिलचस्प आंकड़ा उनके अपने राज्य तमिलनाडु का है। एसआईआर से पहले तमिलनाडु की वयस्क आबादी के मुकाबले 106.8 फीसदी नाम मतदाता सूची में थे और अब 94.3 फीसदी हैं। उम्मीद थी कि टेबल में दिए गए इस आंकड़े की वे कुछ व्याख्या करेंगे और बताएंगे कि अनुमानित वयस्क आबादी से करीब सात फीसदी ज्यादा मतदाता तमिलनाडु की मतदाता सूची में कैसे थे और इनके नाम कट गए तो ये लोग क्लेम करने के लिए आगे क्यों नहीं आए? लेकिन उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा है। पी चिदंबरम ने अपने लेख में यह बताने की कोशिश की है और बडे मासूम तरीके से की है कि हर राज्य में जितने वयस्क नागरिक हैं लगभग उतने नाम मतदाता सूची में होने चाहिए। सवाल है कि क्या वे इतने नासमझ हैं कि मौजूदा समय के बदलावों को नहीं समझ रहे हैं? क्या देश के अंदर और बाहर हुए पलायन या प्रवासन की परिघटना को चिदंबरम नहीं समझते हैं? क्या वे जनगणना में होने वाली गड़बड़ियों और गिनती में दोहराव की संभावना को नहीं समझते हैं? प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की ओर से एक रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके मुताबिक 2023 में भारत में प्रवासन की दर 28.88 फीसदी थी। यह 2011 के मुकाबले लगभग 12 फीसदी कम थी। फिर भी संख्या के लिहाज से देखें तो देश के 40 करोड़ से ज्यादा लोग अपने मूल निवास से दूर किसी दूसरे जिले या किसी दूसरे राज्य में रहते थे। बिबेक देबरॉय और देवी प्रसाद मिश्र द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 75 फीसदी के करीब लोग पांच सौ किलोमीटर के दायरे में गए थे। इसे गुरुत्वाकर्षण प्रभाव कहा गया है। करीब 25 फीसदी लोग पांच सौ किलोमीटर के दायरे से बाहर थे। यानी लगभग 10 करोड़ लोग ऐसे थे, जो अपने मूल निवास से पांच सौ किलोमीटर दूर जाकर रहते थे। वे काम के सिलसिले में गए या कारोबार के सिलसिले में या शिक्षा के लिए गए यह अलग बात है। 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के घरेलू प्रवासन के अलावा लगभग साढ़े तीन करोड़ भारतीयों ने अंतरराष्ट्रीय प्रवासन किया है। यानी विदेश में रहते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक हर साल करीब 25 लाख लोग भारत से विदेश जा रहे हैं। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़ों को देखें तो उत्तर प्रदेश के करीब एक करोड़ 10 लाख लोग देश के अलग अलग हिस्सों में रहते हैं, जबकि बिहार के 60 लाख लोग अलग अलग राज्यों में रहते हैं। इनमे से सबसे ज्यादा करीब 14 लाख लोग झारखंड में रहते हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कट रहे नामों के आधार पर पी चिदंबरम ने एक एकपक्षीय निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने इसके दूसरे पहलुओं की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं समझी है। जैसे घरेलू और विदेशी प्रवासन के आंकड़े को उन्होंने संज्ञान में नहीं लिया।

ट्रैक से संसद तक : क्यों भारत के भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को करना चाहिए

डॉ. पी टी ऊषा

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी जरुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है। यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023कृनारी शक्ति वंदन अधिनियमकृकेवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक जरुरी कदम है। खेलों ने हमें क्या सिखाया है जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है। पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। वे एक ऐसी व्यवस्था का परिणाम हैं, जिसने धीरे–धीरे ही सही, पहुंच को व्यापक बनाना शुरू किया। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है। सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं। हर भारतीय के लिए बेहतर शासन भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है। ये महज ष्महिलाओं के मुद्देष नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं। इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है। यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है। प्रतिनिधित्व का आर्थिक महत्व भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है। विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है। अधिक समावेशी संसद न केवल एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी है। सुरक्षा, गरिमा और भागीदारी भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो। शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है। प्रतिनिधित्व और आकांक्षाओं की शक्ति भारत में सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है। जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है। आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है। भारत की महिलाओं ने खेल जगत, सशस्त्र बलों, विमानन और व्यावसायिक पदों पर पहले ही कई बाधाओं को पार कर लिया है। विधायी प्रतिनिधित्व इस यात्रा का स्वाभाविक अगला कदम है। अब है कार्यवाही का वक्त राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरुरत है। भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता। आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त खबरें

चॉकलेट दिलाने के बहाने पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर इलाके में पांच वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 56 वर्षीय आरोपी छेदीलाल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बच्ची को चॉकलेट दिलाने का लालच देकर स्कूटी से ले गया और उसके साथ दरिंदगी की। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्र ने बताया कि सचिवालय कॉलोनी निवासी छेदीलाल प्राइवेट गाड़ी चालक है। उसके खिलाफ बच्ची की मां ने तहरीर दी थी। उनका आरोप है कि मंगलवार की शाम आरोपी चॉकलेट दिलाने के बहाने स्कूटी से उनकी बेटी को साथ ले गया और तिकोनिया पार्क के पास झोपड़ी में बनी कपड़े प्रेस करने की दुकान के अंदर ले जाकर उसने बेटी के साथ दुष्कर्म किया। बेटी के रोने पर उसने जान से मारने की धमकी दी और उसे घर के पास छोड़ गया। घर पहुंची बच्ची को गुमसुम और डरी सहमी देखकर मां ने उससे बात की। डरते–डरते बच्ची ने मां को पूरी आपबीती सुनाई। इंस्पेक्टर के अनुसार, मां की तहरीर पर दुष्कर्म, पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी छेदीलाल को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा–कांग्रेस पर साधा निशाना

लखनऊ, (संवाददाता)।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बुधवार को नोएडा में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सपा और कांग्रेस द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध तथा परिवारवाद के संरक्षण के मुद्दे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि "महिलाएं संभालेंगी जिम्मेदारी, तो खत्म होगी पारिवारिक यारी।"उन्होंने कहा कि नोएडा केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के सबसे तेज प्रगति करने वाले शहरों में शामिल है। इस औद्योगिक नगरी में हजारों कंपनियां और उद्योग संचालित हो रहे हैं और राज्य की तरक्की का रास्ता इस शहर से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति में पुरुषों के साथ–साथ महिलाओं की भी बराबर भागीदारी है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले के हालात से सभी परिचित हैं, जब शहरों में छेड़खानी की घटनाएं आम थीं और परिवारों को अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था, जबकि वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद प्रदेश में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए गए, जिससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।उन्होंने कहा कि वर्तमान में नोएडा की आईटी कंपनियों, स्टार्टअप और उद्योगों में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं। डबल इंजन सरकार के प्रयासों से बीते नौ वर्षों में राज्य में कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़कर लगभग 36–37 प्रतिशत तक पहुंच गई है।पकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक लाकर यह सुनिश्चित किया है कि सामान्य परिवारों की महिलाएं भी विधायक और सांसद बन सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प "सशक्त नारी, समृद्ध समाज, महिला आरक्षण से नया आगाज" है।विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां, जो परिवारवाद की राजनीति पर आधारित हैं।

पुलिस चौकी के पास नाले में मिली सफाई कर्मी की लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में तीन दिन से लापता नगर पालिका के सफाई कर्मी का शव बृहस्पतिवार की सुबह नाले में पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना नगर कोतवाली के सेमरा चौकी के पास की है। यहां शमशेर बाल्मीकि के बेटे पिंटू बाल्मीकि (42) की लाश नाले में पड़ी मिली। वह रानी बाजार का रहने वाला था। नगर पालिका में आउट सोर्सिंग पर सफाई कर्मी के पद पर काम करता था। परिजनों के अनुसार, 20 अप्रैल की शाम ड्यूटी से घर लौटने के बाद वह करीब 6 बजे सामान लेने के लिए बाजार जाने की बात कहकर निकला था। लेकिन, देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। अगले दिन नगर कोतवाली में गुमशुदगी की तहरीर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के भाई राजू बाल्मीकि ने हत्या की आशंका जताई है। नगर कोतवाल विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर के नटकुर मैदान में बुधवार शाम हजारों की भीड़ के बीच भक्ति भावना की लहर ने वातावरण को श्रद्धा से भर दिया। धर्म उत्सव में मशहूर भजन गायक कन्हैया मित्तल की आवाज का जादू सिर चढ़कर बोला। उनके लोकप्रिय भजन जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे... पर तो श्रोता जय श्रीराम के नारे लगाते हुए नृत्य करने लगे। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद गायक किशोर चतुर्वेदी ने प्रस्तुति दी। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के संघर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने राम भक्तों पर गोली चलाने वालों और प्रभु श्रीराम को काल्पनिक बताने वालों पर भी निशाना साधा। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि जो लोग राम द्रोही और राष्ट्र द्रोही विचारधारा के साथ हैं, उन्हें सरोजनीनगर की धरती पर स्थान नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि रामरथ श्रवण यात्रा से हजारों लोगों को अयोध्या के दर्शन कराए गए हैं। क्षेत्र में अब तक 220 मंदिरों का सुंदरीकरण और जीर्णोद्धार किया जा चुका है। कन्हैया मित्तल के मंच पर आते ही पूरा मैदान राम नाम... के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद हारा हूं बाबा पर तुझपे भरोसा है..., खाटू वाला श्याम धणी मेरा यार है... और कलयुग में सांवरा तेरा नाम ही सहारा है... जैसे भजन सुन श्रोता भावुक हो गए। भाजपा के मंडल अध्यक्षों मोहित तिवारी, विवेक राजपूत, केके श्रीवास्तव, दल बहादुर सिंह, विनोद कुमार मौर्य व रमाकांत 'राजन' मिश्रा और पार्षदों सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कन्हैया मित्तल ने लखनऊ से खाटू श्याम धाम के लिए यात्रा के आयोजन का आग्रह किया और लखनऊ में खाटू श्याम दरबार स्थापित करने का भी निवेदन किया।

गैस चोरी के कारोबार करने वाले दो लोगों को पूर्ति विभाग ने पकड़ा पुलिस ने किया गिरफ्तार,मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जफराबाद थाना क्षेत्र के रामनगर भड़सरा में शुक्रवार को जिला पूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध गैस चोरी के बड़े कारोबार का खुलासा किया है। पूर्ति निरीक्षकों की संयुक्त टीम ने मौके से दो पिकअप वाहनों पर लदे 50 घरेलू गैस सिलेंडर और गैस रिफिलिंग के उपकरण बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है ।जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामनगर भड़सरा स्थित स्वर्गीय चंद्रेश सिंह के आम के बाग में अवैध रूप से गैस की रिफिलिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पूर्ति निरीक्षक सिरकोनी अर्चना सिंह, पूर्ति निरीक्षक आशुतोष त्रिपाठी, योगेंद्र यादव और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी योगेंद्र कुमार की टीम ने बताए गए स्थान पर छापेमारी की । टीम के पहुंचते ही बाग में अफरा–तफरी मच गई और कुछ लोग मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान बाग में खड़ी दो मैजिक गाड़ियों के पास भारी मात्रा में इंडेन कंपनी के घरेलू सिलेंडर रखे मिले । मौके पर शबांसुरीश (रिफिलर यंत्र) के जरिए एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में गैस चोरी की जा रही थी ।मौके से पकड़े गए चालकों की पहचान प्रवीण निवासी इटौरी बाजार (थाना सरायख्वाजा) और सत्येन्द्र कुमार निवासी गोधना (थाना लाइन बाजार) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जौनपुर गैस सर्विस के गोदाम से सिलेंडर लोड करने के बाद बाग में लाकर गैस कटिंग और रिफिलिंग का अवैध धंधा करते थे । तौल करने पर अधिकांश सिलेंडरों में एक से तीन किलोग्राम तक गैस कम पाई गई । पूर्ति निरीक्षक सिरकोनी अर्चना सिंह की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3ध्7 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। उक्त सप्लाई टीम द्वारा माल और वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। इस मामले में जानकारी देते हुए पूर्ति निरीक्षक सिरकोनी अर्चना सिंह ने बताया कि दो पिकअप वाहन पर लदे 50 घरेलू गैस सिलेंडर एवं गैस रिफलिंग के उपकरण को बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा दी गई तहरीर पर प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नारी समाज देश की आधी आबादी है भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सदैव उच्च स्थान दिया गया है : ए के शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने पर भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जनपद में जन आक्रोश रैली निकाली। रैली में बड़ी संख्या में भाजपा के साथ–साथ अन्य संगठनों की महिलाओं ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद की प्रभारी मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने किया। रैली नगर के टीडी कॉलेज से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। इससे पूर्व कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ए.के. शर्मा ने कहा कि नारी समाज देश की आधी आबादी है और भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाने का प्रयास किया गया था, लेकिन विपक्षी दलोंकृ कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और डीएमकेकृने मिलकर इसे पारित नहीं होने दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को जो अधिकार मिलने वाले थे, उन्हें विपक्ष ने बाधित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर नारी समाज में आक्रोश है और देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता इस संकल्प के साथ आंदोलन कर रहे हैं कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाकर रहेंगे।

स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर बोलते हुए ए.के. शर्मा ने कहा कि यह आधुनिक तकनीक पर आधारित व्यवस्था है, जिससे बिजली प्रबंधन में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से 75 लाख प्रीपेड मोड पर हैं। हालांकि, आम लोगों में इसकी जानकारी की कमी को देखते हुए सरकार ने फिलहाल नए स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगा दी है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी उपभोक्ता का बिल अनावश्यक रूप से नहीं बढ़ाया जाएगा। यदि कहीं शिकायत आती है तो उसे तत्काल ठीक किया जाएगा। साथ ही प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को 2 प्रतिशत की छूट, सुरक्षा जमा राशि की वापसी और सीमित नकारात्मक बैलेंस पर भी बिजली न काटने जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है और तकनीकी खामियों की समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजीपुर कांड पर विश्वकर्मा समाज का प्रदर्शन, राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में गाजीपुर में महिला के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना से आक्रोशित विश्वकर्मा समाज ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। सैकड़ों की संख्या में जुटे समाज के लोगों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। प्रदेश सचिव अजय विश्वकर्मा ने बताया कि गाजीपुर के करिया थाना क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई, जो अत्यंत निंदनीय और समाज को झकझोर देने वाली घटना है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कानून–व्यवस्था की स्थिति भी सवालों के घेरे में है। घटना के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल और पुलिस बल पर असामाजिक तत्वों द्वारा पथराव की घटना को भी गंभीर विफलता बताया गया। विश्वकर्मा समाज ने मांग की कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर दोषियों को कठोर सजा दी जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। समाज ने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पथराव में शामिल तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। इसके अलावा, घटना की जांच एसआईटी से कराने तथा संबंधित एसएचओ और सीओ को निलंबित करने की मांग भी उठाई गई।

जिले की गोशालाओं को दान के भूसे की दरकार

लखनऊ, (संवाददाता)। जिले की गोशालाओं में चारे की कमी को दूर करने के लिए प्रशासन ने अगले छह माह के लिए करीब 25 हजार क्विंटल भूसा दान में लेने का निर्णय लिया है। इसके लिए अब किसानों, जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से भूसा दान अभियान चलाकर गोवंश के लिए चारे की व्यवस्था की जाएगी। जिले की 85 गोशालाओं में 18,354 गोवंश संरक्षित हैं। जिनके लिए सालभर में करीब 2,64,302 क्विंटल भूसे की आवश्यकता होती है। पशुपालन विभाग की ओर से शासन के निर्देशानुसार प्रति पशु 50 रुपये प्रतिमाह की दर से चारे के लिए धनराशि आवंटित की जाती है, लेकिन इसके बावजूद कई बार गोशालाओं में समय पर हरा चारा और भूसा उपलब्ध नहीं हो पाता। इस स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने दान से भूसा प्राप्त करने का अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि अगले छह महीने के लिए 25,548 क्विंटल भूसा दान में प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत ग्राम प्रधान और पंचायत सचिवों को प्रमुख जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये जनप्रतिनिधियों और संपन्न किसानों से संपर्क कर गोशालाओं के लिए भूसा दान करने की अपील करेंगे। साथ ही पशुपालन और कृषि विभाग के अधिकारी भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर गोशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए भूसा दान करें, ताकि चारे की कमी से पशुओं को परेशानी न हो।

प्रयागराज में 'प्रतिभा सम्मान समारोह 2026' में मेधावी अभ्यर्थियों का सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रयागराज में कोचिंग संस्थान संस्कृति आईएएस द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोहद्2026' में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चयनित मेधावी अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोगद्2024 में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को देश और प्रदेश का भविष्य बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति द्वारा सफल अभ्यर्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने युवाओं को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि युवा देश, प्रदेश और अपने परिवारों के उज्ज्वल भविष्य के मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने आह्वान किया कि युवा अपने परिश्रम और प्रतिभा से राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं।तीर्थराज प्रयाग की पावन धरती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम की भूमि है, जो ज्ञान, साधना और परिश्रम की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज देशभर के प्रतियोगी छात्रों का प्रमुख केंद्र है, जहां विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में रहकर भी सफलता अर्जित करते हैं।उपमुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य दोहराते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, गांव और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित कर रही है, जिससे योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों को उनका अधिकार मिल रहा है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सरकार कठोर कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर संस्कृति आईएएस द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए 'फंडामेंटल कोर्स' का शुभारंभ किया गया, जिसे मात्र एक रुपये की टोकन राशि पर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस पहल की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति ने विद्यार्थियों की सफलता में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षकगणकृ सी.बी.पी. श्रीवास्तव, ए.के. अरुण, राजकुमार एवं के.पी. द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।सम्मान प्राप्त करने वाले चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं संस्थान के सहयोग को दिया। उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि असफलता से निराश हुए बिना निरंतर प्रयास करते रहें, क्योंकि दृढ़ संकल्प और परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है।इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक दीपक पटेल, राजेश शुक्ल, निर्मला पासवान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्यजन की उपस्थिति रही।

फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर 1.30 करोड़ की कर चोरी का भंडाफोड

लखनऊ, (संवाददाता)। फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर बड़े पैमाने पर कर चोरी करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए थाना रहीमाबाद पुलिस, साइबर क्राइम एवं सर्विलांस टीम ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरोह द्वारा फर्जी फर्मों के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये के फर्जी लेनदेन का खुलासा हुआ है।इस संबंध में 4 अक्टूबर 2025 को वादी राम नरेश वर्मा, सहायक आयुक्त, राज्य कर, खंड–18, लखनऊ द्वारा थाना रहीमाबाद में तहरीर दी गई थी। तहरीर में बताया गया कि घोषित पतेध्व्यापार स्थल सर्वश्री सूरज इलेक्ट्रिकल सप्लायर, 67 गोपालपुर मडवाना, लखनऊ के नाम से संचालित फर्म अस्तित्वविहीन/फर्जी पाई गई, जो सुनियोजित तरीके से इनवॉइस जारी कर अनुचित रूप से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ ले रही थी। इस पर थाना रहीमाबाद में मु0अ0सं0 148/2025 के तहत धारा 319(2)/318(4)/338/336(3)/340(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया।विवेचना के दौरान थाना रहीमाबाद पुलिस ने साइबर क्राइम टीम के सहयोग से अभियुक्त रविंदर गिरि पुत्र मनमोहन लाल, निवासी ग्राम व पोस्ट दरेरी, थाना पड़ौहा, जनपद लखीमपुर खीरी, उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और 710 रुपये नकद बरामद किए गए।पुलिस जांच में सामने आया कि अभियुक्त गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुद्रा लोन दिलाने का लालच देकर उनके आधार, पैन, बैंक खाता और मोबाइल नंबर जैसे दस्तावेज प्राप्त करता था।

बीबीएयू में 'विश्व पृथ्वी दिवस' पर कार्यक्रम आयोजित, पर्यावरण संरक्षण पर दिया गया जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' के अवसर पर भू–विज्ञान विभाग एवं सतत विकास लक्ष्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवसद्2026 की आधिकारिक थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अवध प्रांत, लखनऊ के डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर शितांशु पाण्डेय उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस प्रो. अशोक साहनी, कार्यक्रम समन्वयक एवं भू–विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार तथा सतत विकास लक्ष्य समिति के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में 'धर्मो रक्षति रक्षितः' का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है कि जो धर्म की रक्षा करता है, वही सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति भी हमारे धर्म का अभिन्न अंग है, इसलिए उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा रीयूज, रिड्यूस और रीसायकल जैसे सिद्धांतों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर 'क्लीन एंड ग्रीन लखनऊ' अभियान

लखनऊ, (संवाददाता) विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर भर में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल के नेतृत्व में "क्लीन एंड ग्रीन लखनऊ" अभियान के तहत नगर निगम की आईईसी टीम, एलएसए एवं लायन एनवायरो की ऑपरेशन टीम ने विभिन्न जोनों और वार्डों में कार्यक्रम आयोजित किए।अभियान के अंतर्गत जोन–7 के वार्ड–80 स्थित एक पार्क में विशेष सफाई कार्यक्रम चलाया गया, जहां प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया तथा पौधारोपण कर हरित वातावरण का संदेश दिया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों को कचरा पृथक्करण, स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के सरल उपायों के बारे में जागरूक किया गया।इसके साथ ही विभिन्न विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया। जोन–8, वार्ड–19 (शारदा नगर प्रथम) स्थित आवासीय पब्लिक स्कूल एवं न्यू गोल्डन पब्लिक स्कूल, जोन–2, वार्ड–21 (मालवीय नगर) में करियर अकैडमी स्कूल, जोन–7, वार्ड–51 (इस्माइलगंज प्रथम) के क्षेत्रीय विद्यालय परिसर, जोन–5 के गुरुनानक नगर वार्ड (स्नेह नगर) में दर्शन स्कूल तथा जोन–3 के वार्ड–109 (चांदगंज) और वार्ड–47 (डालीगंज) स्थित प्राथमिक विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।इन कार्यक्रमों में छात्रों और शिक्षकों को गीले, सूखे, सैनिटरी एवं घरेलू खतरनाक कचरे के पृथक्करण, पुनः उपयोग (री–यूज) और पुनर्चक्रण (री–साइकिल) के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से "वेस्ट टू वंडर" गतिविधि के माध्यम से बच्चों को अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री बनाने के लिए प्रेरित किया गया,।

ग्राम पंचायत अधिकारी को दस हजार रुपये घूस लेते विजलेंस टीम ने किया गिरफ्तार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। विकासखंडध्तहसील सोहावल ग्राम पंचायत अधिकारी को 10 हजार घूस लेते हुए विजिलेंस टीम अयोध्या ने रंगे हाथो गिरफ्तार किया।विजिलेंस टीम अयोध्या ने सोहावल तहसील में नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारी राजीव कुमार श्रीवास्तव को 10 हजार घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।शिकायतकर्ता मुख्तार अहमद मैं आरोप लगाया था कि पुत्र–पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में रिपोर्ट लगाने के लिए घ10000 मांगे थे शिकायतकर्ता मुख्तार अहमद ग्राम चिर्रा मोहमदपुर थाना रौनाही निवासी ने इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक सतर्कता उत्तर प्रदेश में की थी।सोहावल तहसील में नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारी राजीव कुमार श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से मृतक के घर पहुंचे महापौर, जताया शोक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी गुरुवार को सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव से मृत गौरव सोनी के घर शुक्रवार को पहुंचे।इस मौके पर उन्होंने परिवारजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। उन्होंने चौराहा जाकर निजी अस्पताल में भर्ती घायल श्रमिक आदर्श राजभर से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना। उन्होंने चिकित्सालय प्रबंध्ान से बातचीत कर बेहतर इलाज के लिए भी निर्देशित किया।इस दौरान महापौर ने आर्थिक सहायता भी प्रदान की।उनके साथ पार्षद प्रतिनिधि अमित गुप्त, अजय पांडे, भाजपा नेता अवधेश अग्रहरि, केशव बिगुलर भी थे।

जिला चिकित्सालय अयोध्या में मरीजों के आफत बना ऑनलाइन पर्चा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिला चिकित्सालय अयोध्या में मरीजों के लिए इस समय ऑनलाइन पर्चा बनवाने के लिए काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।गांव से आने वाले कुछ तीमारदारों ने अपनी व्यथा सुनते हुए बताया कि जब से पर्चा ऑनलाइन बनने लगा है तब से जिसके पास एंड्राइड मोबाइल नहीं है तो यहां के कर्मचारी उसका पर्चा नहीं बनाते जबकि उसके पूर्व तीमारदार को घंटों लाइन में लगना पड़ता और जब उसका नम्बर आता है तो उसे मोबाइल से रजिस्ट्रेशन करने को कह कर वापस कर दिया जाता और इसकी वजह से तीमारदार को बिना मरीज दिखाए ही वापस लौटने पर मजबूर होना पड़ता हैं। वहीं पर्चा काउंटर पर बैठे कर्मचारी तीमारदारों के साथ अभद्रता दिखाते हुए उनके साथ दुर्व्यवहार करते है कुछ ऐसा ही एक मामला आज मंदिर के पास बने पर्चा काउंटर से सामने आया जहां रिवाइज का इंजेक्शन लगवाने आए एक मरीज जब पर्चा बनवाने पहुंचा तो उसे काउंटर से धक्का देकर भगा दिया गया।जिसकी शिकायत मरीज ने अस्पताल प्रबंधक से किया तो उन्होंने उसे हल्के में लेकर रफा दफा कर दिया। ऐसे में जिला चिकित्सालय के कर्मचारियों के इस व्यवहार से आए दिन तीमारदार और स्टाफ के बीच होता रहता है।

बीएसए लाल चन्द्र द्वारा विद्यालयों के औचक निरीक्षण मे मिली कमियां,मांगा स्पष्टीकरण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। बीएसए लाल चंद्र खुद प्राइमरी तथा जूनियर हाई स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता की भौगोलिक स्थिति जानने के लिए निरीक्षण कर रहे हैं निरीक्षण के दौरान जहां पर उन्हें कुछ कमियां मिली।वहां पर तैनात शिक्षक के ऊपर कार्यवाही भी कर रहे हैं।शनिवार को उन्होंने कंपोजिट विद्यालय अकवारा पूरा, प्राथमिक विद्यालय करमा कोडरी पूरा, कंपोजिट

विद्यालय सुल्लेपुर बीकापुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं के संचालन,स्कूलों में सामानो का रखरखाव,वहां पर पठन–पाठन कैसे हो रहा है खुद एक अध्यापक के रूप में बच्चों से सवाल जवाब भी किया।निरीक्षण के दौरान उन्हें कई कमियां मिलीं जहां पर कुछ विद्यालयों पर स्मार्ट क्लास का संचालन नहीं होते हुए पाया गया कुछ जगहों पर मानक के मुताबिक नामांकन नहीं था कई जगहों पर बच्चों की उपस्थिति कम थी इन सभी के अलावा अन्य कमियां पाई गई जिसको गंभीरता से लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद ने संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है अगर समय से स्पष्टीकरण नहीं मिलता है तो उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

27 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे से लगेगा एकदिवसीय रोजगार मेला

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।सहायक निदेशक, सेवायोजन अयोध्या मण्डल अयोध्या देवव्रत कुमार ने बताया कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, अयोध्या द्वारा दिनांक 27 अप्रैल, 2026 को प्रातः 10 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, परिसर, फतेहगंज लालबाग, अयोध्या में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की तकनीकी ध गैर तकनीकी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियाँ यथा वर्धमान टेक्सटाइल, हीरो कम्पनी, ग्रेसिम लर्निंग फाउंडेशन आदि प्रतिभाग करेंगी। ऐसे अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 27 वर्ष एवं शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक, डिप्लोमा एवं आई०टी०आई०, आदि है, प्रतिभाग कर सकते है, ऐसे अभ्यर्थी rojgaarsangam-up-gov-in (रोजगार मेला आई०डी०– 11855) एवं दबे.हवअ.पद पोर्टल पर पंजीकरण कराकर प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण–पत्रों की छायाप्रति, पहचान पत्र एवं बायोडाटा के साथ उक्त दिनांक को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, परिसर, फतेहगंज लालबाग अयोध्या में उपस्थित हों। इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय आदि देय नहीं है।

संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी की बैठक संपन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत रानी बाजार अयोध्या स्थित अशोक सिंघल वार्ड में पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का संयोजन पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामेंद्र मोहन मिश्रा एवं पप्पू मिश्रा द्वारा किया गया।बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने की,जबकि बैठक का संचालन महानगर महासचिव राकेश तिवारी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि अयोध्या में कांग्रेस पार्टी का मजबूत संगठनात्मक ढांचा मौजूद है,जिसे और अधिक सक्रिय करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव अयोध्या के विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। पूर्व सांसद डॉ. द्वारा किए गए प्रयासों से फैजाबाद में पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, राम की पैड़ी, नया घाट पुल सहित कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं कांग्रेस शासनकाल में ही पूर्ण हुईं।पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विकास के नाम पर आम जनता के हितों की अनदेखी की जा रही है तथा फैजाबाद के स्थानीय लोगों के हितों को प्रभावित करने का प्रयास हो रहा है। प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा बाहरी कंपनियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को नुकसान हो सकता है।पीसीसी सदस्य गौरव तिवारी वीरू ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता की सराहना की और कहा कि इसी एकता के बल पर गठबंधन प्रत्याशी को विजय दिलाई गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी इसी एकजुटता के साथ भारतीय जनता पार्टी को पराजित किया जाएगा।बैठक के संयोजक वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामेंद्र मोहन मिश्रा पप्पू ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाएं और आगामी चुनावों के लिए अभी से तैयारी में जुट जाएं।बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने की, जबकि संचालन महानगर महासचिव राकेश तिवारी ने किया।बैठक में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, प्रवीण श्रीवास्तव,केसरी कुमार मिश्रा, जिलाउपाध्यक्ष शैलेंद्र मणि पांडेय, हनुमान प्रसाद मिश्रा, किशोरी रमन अग्रवाल, फिरोज अंसारी, आशुतोष शांडिल्य,पूर्व सभासद जितेंद्र गुप्ता सनक, विकास मिश्रा, शिवकुमार आदि उपस्थित रहे।

हाइड्रा से टकराई निजी बस, एक यात्री सहित चार घायल

उन्नाव, (संवाददाता)। दिल्ली से 35 यात्रियों को लेकर देवरिया जा रही निजी बस आगरा एक्सप्रेसवे पर देवखरी गांव के पास हरियाणा से वाराणसी जा रहे हाइड्रा मशीन से भिड़ गई। बस यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। घटना में बस सवार यात्री, हाइड्रा चालक सहित चार लोग घायल हो गए। यूपीडा की रेस्क्यू टीम ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हाइड्रा में बैठे तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। प्रतापगढ़ जिले के थाना रानीगंज के गांव जरियारी निवासी चालक अर्पित सिंह कृष्णा कंपनी की निजी बस से 35 यात्रियों को लेकर दिल्ली से देवरिया जा रहा था। मंगलवार रात 12 बजे लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के देवखरी गांव के पास चालक आगे चल रहे हाइड्रा को ओवरटेक करने लगा तभी हाइड्रा के चालक ने बस को दाहिनी ओर मोड़ दिया इससे तेज रफ्तार बस हाइड्रा से टकराते हुए डिवाइडर पर चढ़ गई। इस दौरान बस में सो रहे यात्रियों में चीख–पुकार मच गई और बस के अगले हिस्से के परखचे उड़ गए। घटना में बस में बैठे देवरिया जिले के थाना लारबाजार के हाटा गांव निवासी सुनील पटेल (35) पुत्र दयानंद पटेल घायल हो गए। हाइड्रा चालक देवरिया जिले के थाना बनकटा के दृगपुरा गांव निवासी कृष्णा (23) पुत्र संतोष कुशवाहा, उसी में बैठे थाना लारबाजार के गांव खेमादेई निवासी अनिल कुशवाहा (35) और चंदौली जिले के थाना सैयदराजा के गांव जेवरियाबाद निवासी विशाल कुमार (28) पुत्र परमेश्वरराम घायल हुए हैं। यूपीडा की टीम ने पीआरवी की सहायता से घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया। डॉक्टर ने हाइड्रा सवार तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। क्षतिग्रस्त हाइड्रा और बस को क्रेन की सहायता से एक्सप्रेसवे से बाहर हटाया गया। यात्रियों को उसी कंपनी की दूसरी बस से गंतव्य को रवाना किया गया। यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी शशिकांत मिश्रा ने बताया कि ओवरटेक करते समय तेज रफ्तार बस हाइड्रा से टकराई थी। बस का एक यात्री और हाइड्रा के चालक सहित तीन लोग घायल हुए हैं। हाइड्रा में बैठे तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

दुष्कर्म के बाद सिर पर पांच वार कर की गई थी महिला की हत्या

उन्नाव, (संवाददाता)। कस्बे के एक मोहल्ले से तीन दिन से लापता 55 वर्षीय महिला का शव मिलने की घटना में दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डंडे से हमले में खोपड़ी में पांच फ्रैक्चर मिले हैं। स्लाइड भी बनाई गई है। शव के पास मिले शराब के पाउच के बारकोड से शराब की दुकान और दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से मंगलवार देर रात पुलिस हत्यारोपी के घर तक पहुंची और गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक हत्यारोपी ने महिला से एक साल से नजदीकी होने और बदनाम करने की धमकी देकर लगातार रुपयों की बढ़ती मांग से परेशान होकर उसने यह कदम उठाने की बात बताई है। सफीपुर कोतवाली के एक मोहल्ला निवासी 55 साल की महिला रविवार 19 अप्रैल की शाम घर से बिना बताए निकली थी। मंगलवार सुबह गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर बाग में उसका शव मिला था। शव के पास एक डंडा, डिस्पोजल गिलास, शराब का खाली पाउच और मृतका के चप्पल मिले थे। शराब के पाउच के बारकोड से पुलिस ने उस शराब ठेके का पता लगाया जहां से उसे खरीदा गया था। शराब ठेके में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में महिला ने शराब खरीदी थी। उसके साथ बाइक में एक युवक भी नजर आया। पुलिस को पता चला कि युवक पास के निहालपुर गांव का उमेश गौड़ है। शराब ठेके से पहले एक अन्य कैमरे की फुटेज में वह महिला को बाइक में बैठाकर ले जाते दिखा। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि हत्यारोपी उमेश ने बताया कि वह कस्बे में एक कपड़े की दुकान में सेल्समैन है। महिला से उसकी मुलाकात एक साल पहले हुई थी। बाद में नजदीकी बढ़ गई और दोनों अक्सर साथ में शराब भी पीते थे। बाद में अवैध संबंधों की बात उजागर करने और प्राथमिकी दर्ज कराकर जेल भेजने की धमकी देकर वह अक्सर रुपये और शराब मांगती रहती थी। हत्यारोपी के अनुसार पहले वह 100–200 रुपये मांगती थी लेकिन बाद में एक हजार रुपये से कम नहीं लेती थी और न देने पर सभी को अवैध संबंधों की जानकारी देने की धमकी देती। इसी से परेशान होकर उसे बहाने से बुलाकर बाग में डंडे से हमला कर हत्या कर दी। एसओ ने बताया कि हत्यारोपी उमेश को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेजा गया है।

42 वर्ष बाद भी झोपड़ी में चल रहा होम्योपैथी चिकित्सालय

उन्नाव, (संवाददाता)। ब्लॉक क्षेत्र के भिखारीपुर पतसिया स्थित होम्योपैथी चिकित्सालय 42 वर्षों से झोपड़ीनुमा कच्ची कोठरी में संचालित हो रहा है। तीन वर्षों से यहां चिकित्सक की तैनाती न होने से यह अस्पताल फार्मासिस्ट के सहारे चल रहा है। नतीजतन दूर–दराज क्षेत्र से आने वाले मरीजों की संख्या भी घटती जा रही है। ब्लॉक क्षेत्र के मरीजों को होम्योपैथी से इलाज मुहैया कराने के लिए 1984 में भिखारीपुर पतसिया में होम्योपैथिक चिकित्सालय स्थापित किया गया था। कच्ची कोठरी में संचालित इस अस्पताल को अब तक पक्का भवन मयस्सर नहीं हो सका।

पी डी पांडेय में आयोजित हुआ बोर्ड परीक्षा टॉपर्स का सम्मान समारोह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।पंडित हृदयराम शर्मा पी डी पांडेय इंटर कॉलेज सोनैसा रसूलाबाद अयोध्या में शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं का का स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी के नेतृत्व में आयोजित अभिनंदन समारोह में छात्र–छात्राओं को माला पहनकर मिठाई खिलाई की एवं पुरस्कार भी वितरण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी ने कहा कि विद्यालय के टॉपर हमारे विद्यालय की शान है और उनके सम्मान में ही आज यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है इन्होंने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके विद्यालय के अन्य छात्र छात्राओं को प्रेरित करने का भी कार्य किया है जिससे विद्यालय की अन्य छात्र छात्राएं भी उनसे प्रेरणा लें।विद्यालय के हाई स्कूल की परीक्षा में प्रथम स्थान सेजल शर्मा 92.17%, द्वितीय स्थान अर्शिता वर्मा 89.67%, तृतीय स्थान ऋषभ मौर्य 89.50%,चतुर्थ स्थान वैभव पांडे 88.52%,इसी तरह इंटरमीडिएट की साहित्यिक वर्ग में प्रथम स्थान असफिया बानो 78: द्वितीय स्थान आरजू यादव 75.20: तथा तृतीय स्थान हिना परवीन 72% व्यावसायिक वर्ग इंटरमीडिएट में प्रिया 82.7%द्वितीय स्थान लक्ष्मी निषाद 79.7% ,तृतीय स्थान बबिता 78.7% प्रतिशत रही।

प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने किया निरीक्षण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग लखनऊ के द्वारा दिए गए निर्देश की अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह तथा उनकी टीम ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इधर से गुजरने वाले ट्रेनों के अंदर जाकर बारीकी से निरीक्षण किया और इस मौके पर ट्रेन के अंदर बैठे रेल यात्रियों से अपील किया कि आप सभी किसी भी अनजाने संदिग्ध व्यक्ति से दिए हुए खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।न ही उनके द्वारा दिए गए सामानों को ले। इस मौके पर उन्होंने अयोध्या कैंट स्टेशन पर सभी प्लेटफार्म,टिकट घर, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हाल, मेन गेट प्रतीक्षालय को सफलता से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे परिसर के अंदर बिना कारण बैठे हुए थे उनको बाहर किया। इस मौके पर उनके अलावा कांस्टेबल सतीश सिंह मनोज कुमार सहित क्यूआरटी की टीम मौजूद रही।

हाई स्कूल प्रदेश टाप 10 सूची मे आराध्या जायसवाल 9 वें व प्राची पांडे ने 10 वें स्थान पर आकर किया कनौसा कॉन्वेंट का नाम रोशन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। यूपी बोर्ड इंटर व हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में हाई स्कूल मे कनौसा कान्वेंट स्कूल की दो छात्राओं ने प्रदेश की मेरिट सूची में 9 वें व 10 वें स्थान प्राप्त किया।जिससे कनौसा कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज का नाम प्रदेश स्तर पर हो गया है। बताते चले हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में कनौसा कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की मेधावी छात्रा आराध्या जायसवाल ने 96.33% अंक प्राप्त कर प्रदेश में 9 वीं रैंक हासिल कर तथा जिला में टॉपर बनी हैं।आराध्या की इस उपलब्धि से न सिर्फ स्कूल बल्कि पूरे जिले में खुशी का माहौल है।इसी कॉलेज की ही हाई स्कूल की मेधावी छात्रा प्राची पांडेय 96.17% अंक प्राप्त कर प्रदेश में टॉप 10 की सूची में दसवें स्थान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में दूसरा स्थान हासिल किया है। इसके अलावा सोहावल क्षेत्र एमएसएस नाज इंटर कॉलेज सुच्चितागंज के अंबिका कसौधन 96.17% ने प्रदेश में टॉप टेन की सूची में दसवें स्थान पर जिले में तीसरा स्थान हासिल किया है।इन मेधावी छात्रों के सफलता पर इनके स्कूल और परिवार में जश्न का माहौल तीनों छात्राओं की इस सफलता से उनके स्कूलों और परिवारों में जश्न का माहौल है।शिक्षकों ने इसे मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन का परिणाम बताया है।बेटियों ने फिर मारी बाजी पिछले वर्षों की तरह इस बार भी बेटियों ने बेहतर प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।जिले के शिक्षा जगत में इन मेधावियों की सफलता नई प्रेरणा बनकर उभरी है।इन होनहार छात्राओं ने फिर मारी बाजी पिछले वर्षों की तरह इस बार भी बेटियों ने बेहतर प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।जिले के शिक्षा जगत में इन मेधावियों की सफलता नई प्रेरणा बनकर उभरी है। अब सभी की नजरें इन होनहार छात्राओं के भविष्य पर हैं, जो आगे चलकर जिले और प्रदेश का नाम और ऊंचा करेंगी। उनकी सफलता पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम इन मेधावी छात्राओं के कठोर परिश्रम और मेहनत का है इसके साथ ही साथ इस सफलता पर इनके माता–पिता, कॉलेज के प्रबंधक प्रधानाचार्य तथा शिक्षकों का दे परिश्रम और मेहनत का भी फल है। जिसके चलते अयोध्या जनपद का नाम शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश मे रोशन हो रहा है।

अयोध्या के चार कुंड का रखरखाव करेगा श्री रविशंकर का ट्रस्ट - मेयर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अब वह दिन दूर नहीं,जब रामनगरी के कुंड निरंतर स्वच्छ जल से भरे और साफ–सुथरे नजर आएंगे। इस संबंध में नगर निगम ने प्रख्यात धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर के ट्रस्ट श्री श्री रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम ट्रस्ट बैंगलोर कर्नाटक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।समझौता ज्ञापन पर संस्था की ओर से आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर बेंगलुरु के अध्यक्ष प्रसन्ना प्रभु एवं नगर निगम की ओर से अपर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किए हैं।इस मौके पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी तथा नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार मौजूद रहे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि जिन कुंडों के रखरखाव के लिए एमओयू किया गया है, उनमें दशरथ कुंड, विद्या कुंड, सीता कुंड एवं दंतधावन कुंड शामिल हैं। एमओयू के तहत कुंड का रखरखाव संस्था पांच वर्ष तक करेगी। इसमें प्राकृतिक रूप से जल शुद्धिकरण तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। यहां प्रकाश की भी व्यवस्था सुरक्षित की जाएगी। इससे अयोध्यावासी शाम के समय कुंडों के आसपास भ्रमण कर सकेंगे। माना जा रहा है कि यह कदम रामनगरी में जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।